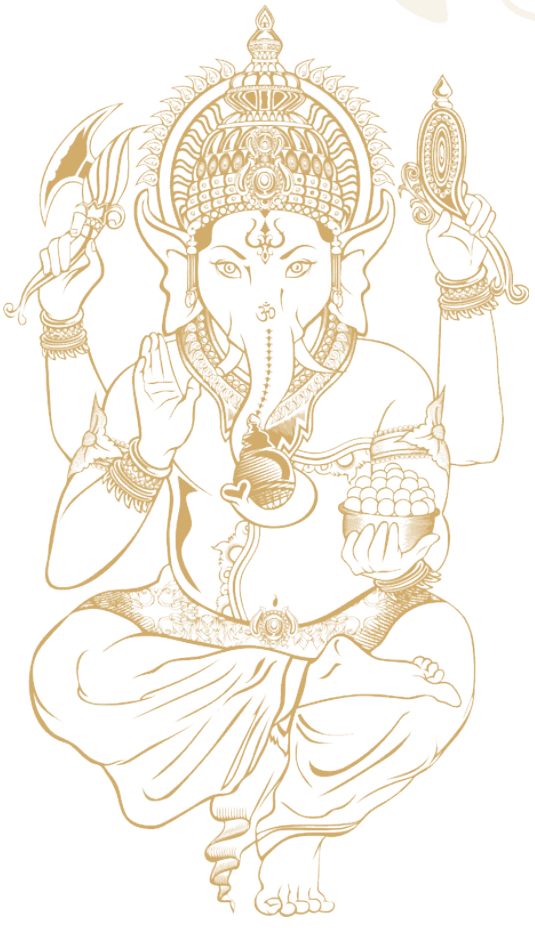

Lalit

28 Apr 1987

08:20 AM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121768503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/04/1987**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:20:00 घंटे**
इष्ट	06:33:09 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:02:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:25 घंटे
साम्पातिक काल	22:24:12 घंटे
सूर्योदय	05:42:44 घंटे
सूर्यास्त	18:48:55 घंटे
दिनमान	13:06:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:37:33 मेष
लग्न के अंश	25:52:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:52:50	348:32:56	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मेष	13:37:33	00:58:22	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मेष	14:14:59	12:50:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	21:14:21	00:39:37	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मेष	03:15:46	01:58:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मीन	19:47:56	00:13:53	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	12:53:30	01:12:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	26:51:41	00:02:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:45:01	00:02:47	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:45:01	00:02:47	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	02:44:49	00:01:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	14:14:10	00:00:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:56:37	00:01:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:29:15	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:43

लग्न-चलित

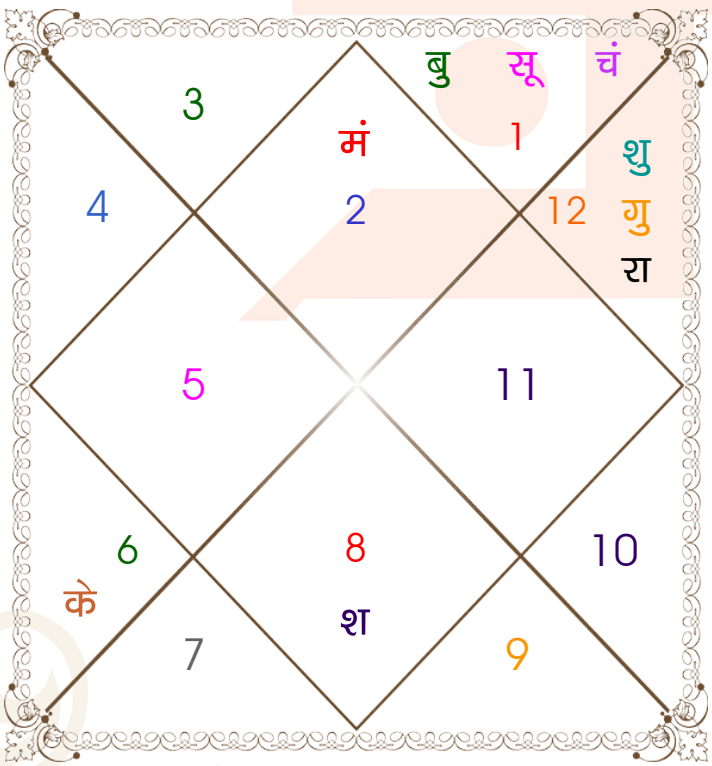

चन्द्र कुंडली

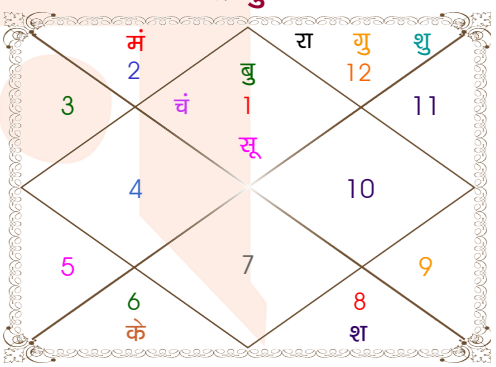

नवमांश कुंडली

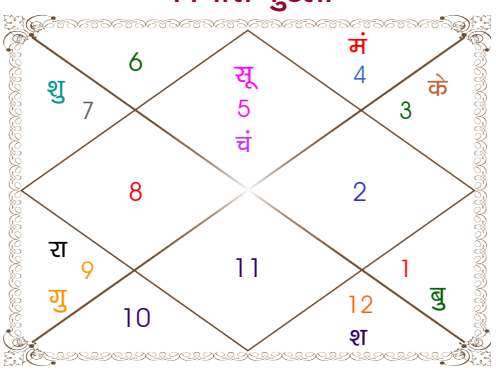

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 7 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/04/1987		12/12/2005		12/12/2011		12/12/2021		12/12/2028	
12/12/2005		12/12/2011		12/12/2021		12/12/2028		12/12/2046	
शुक्र	12/04/1989	सूर्य	31/03/2006	चंद्र	12/10/2012	मंगल	10/05/2022	राहु	25/08/2031
सूर्य	13/04/1990	चंद्र	30/09/2006	मंगल	13/05/2013	राहु	28/05/2023	गुरु	17/01/2034
चंद्र	12/12/1991	मंगल	05/02/2007	राहु	12/11/2014	गुरु	03/05/2024	शनि	23/11/2036
मंगल	10/02/1993	राहु	31/12/2007	गुरु	13/03/2016	शनि	12/06/2025	बुध	13/06/2039
राहु	11/02/1996	गुरु	18/10/2008	शनि	12/10/2017	बुध	09/06/2026	केतु	30/06/2040
गुरु	12/10/1998	शनि	30/09/2009	बुध	13/03/2019	केतु	06/11/2026	शुक्र	01/07/2043
शनि	12/12/2001	बुध	06/08/2010	केतु	12/10/2019	शुक्र	06/01/2028	सूर्य	25/05/2044
बुध	12/10/2004	केतु	12/12/2010	शुक्र	12/06/2021	सूर्य	13/05/2028	चंद्र	24/11/2045
केतु	12/12/2005	शुक्र	12/12/2011	सूर्य	12/12/2021	चंद्र	12/12/2028	मंगल	12/12/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/12/2046		12/12/2062		12/12/2081		12/12/2098		13/12/2105	
12/12/2062		12/12/2081		12/12/2098		13/12/2105		00/00/0000	
गुरु	29/01/2049	शनि	15/12/2065	बुध	09/05/2084	केतु	10/05/2099	शुक्र	29/04/2107
शनि	13/08/2051	बुध	24/08/2068	केतु	07/05/2085	शुक्र	10/07/2100		00/00/0000
बुध	17/11/2053	केतु	03/10/2069	शुक्र	07/03/2088	सूर्य	15/11/2100		00/00/0000
केतु	24/10/2054	शुक्र	02/12/2072	सूर्य	11/01/2089	चंद्र	16/06/2101		00/00/0000
शुक्र	24/06/2057	सूर्य	14/11/2073	चंद्र	12/06/2090	मंगल	12/11/2101		00/00/0000
सूर्य	13/04/2058	चंद्र	16/06/2075	मंगल	10/06/2091	राहु	01/12/2102		00/00/0000
चंद्र	13/08/2059	मंगल	25/07/2076	राहु	27/12/2093	गुरु	07/11/2103		00/00/0000
मंगल	18/07/2060	राहु	01/06/2079	गुरु	03/04/2096	शनि	16/12/2104		00/00/0000
राहु	12/12/2062	गुरु	12/12/2081	शनि	12/12/2098	बुध	13/12/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 7 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।